Brain International School
Vikas Puri, New Delhi

अभ्यास पत्र . 5

विषय: हिंदी **कक्षा-IX** **नवंबर,2025**

प्रश्न 1.निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

महात्मा गांधी ने कोई 12 साल पहले कहा था कि मैं बुराई करने वालों को सजा देने का उपाय ढूँढूँगा तो मेरा काम होगा- उनसे प्यार करना और धैर्य तथा नम्रता के साथ उन्हें समझाकर सही रास्ते पर ले आना इसलिए असहयोग तथा सत्याग्रह घृणा का गीत नहीं है। असहयोग का उद्देश्य बुराई को बढ़ावा देना नहीं है बल्कि बुराई से असहयोग करना है।अगर दुनिया बुराई को बढ़ावा देना बंद कर दे तो बुराई अपने लिए आवश्यक पोषण के अभाव में अपने–आप मर जाए। अगर हम यह देखने की कोशिश करें कि आज समाज में जो बुराई है, उसके लिए खुद हम कितने जिम्मेदार हैं तो हम देखेंगे कि समाज से बुराई कितनी जल्दी दूर हो जाती हैं लेकिन हम प्रेम की एक झूठी भावना में पड़कर इसे सहन करते हैं। मैं उस प्रेम की बात नहीं करता जिसे पिता अपने गलत रास्ते पर चल रहे पुत्र पर मोहांध होकर बरसाता चला जाता है, उसकी पीठ थपथपाता है और न मैं उस पुत्र की बात कर रहा हूँ जो झूठी पितृभक्ति के कारण अपने पिता के दोषों को सहन करता है। मैं उस प्रेम की चर्चा नहीं कर रहा हूँ। मैं तो उस प्रेम की बात कर रहा हूँ जो विवेकयुक्त है और जो बुद्धियुक्त है और जो एक भी गलती की ओर से आँख बंद नहीं करता। यह सुधारने वाला प्रेम है।

1. महात्मा गांधी बुराई करने वाले लोगों को किस प्रकार सुधारना चाहते थे?

क) डाँट फटकार कर
ख) लालच देकर
ग) प्यार, धैर्य तथा नम्रता
घ) डराकर

2. बुराई को कैसे समाप्त किया जा सकता है?

क) बुराई को समाप्त करके
ख) अच्छाई को ग्रहण करके
ग) बुराई से सहयोग करके
घ) बुराई से असहयोग करके

3. गांधी जी के अनुसार प्रेम क्या है ?

4. असहयोग आंदोलन का क्या उद्देश्य था ?

प्रश्न 2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

i. **तटिनी के बारे में कवि क्या कहता है ?**
ii. **कवि संघर्षशील व्यक्ति को कौन–सी शपथ दिलाता है ?**
iii. **लेखक की प्रिय पुस्तक कौन–सी थी और क्यों? पाठ –'मेरा छोटा –सा निजी पुस्तकालय' के आधार पर लिखिए ।**

प्रश्न 3 दुकानदार द्वारा गलत सामान तोलने पर ग्राहक और दुकानदार के बीच होने वाले विवाद को संवाद के रूप में 80-100 शब्दों में लिखिए।